Date :- 20/07/2020	Degree Part-I (Hons.
Content Writer :-	Paper - I
Dr. Akhay Kumar Pathak	Content of the Paper
Deptt. of Economics,	Micro Economics
Marwari College,	
Darbhanga (LNMU)	

TOPIC :- CHARACTERISTICS OF OLIGOPOLY

अल्पाधिकार की विशेषताओं का वर्णन :-

बाजार में अल्पाधिकार के स्थिति का विवेचन करने हेतु इसके विशेषताओं का वर्णन आवश्यक प्रतीत होता है। इस वर्णन के आधार पर अल्पाधिकार की निम्नांकित विशेषताएँ हैं :-

(i) विक्रेताओं की अल्प संख्या का होना।
(ii) विभिन्न विक्रेताओं के बीच परस्पर निर्भरता का होना।
(iii) विभेदित वस्तुओं का उपलब्ध होना।
(iv) नई फर्मों का कठिन प्रवेश एवं बहिर्गमन।
(v) माँग वक्र के अनिश्चितता का होना।
(vi) विज्ञापन की क्रियाएँ।

अल्पाधिकार के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर इसे निम्नांकित वर्गों में विभाजित किया जाता है :-

(1) शुद्ध तथा विभेदीकृत अल्पाधिकार :- अल्पाधिकार में जब वस्तुएँ एक सी होती है तो उसे शुद्ध अल्पाधिकार कहते हैं वहीं जब वस्तुएँ एक सी नहीं होती तो उसे विभेदीकृत अल्पाधिकार कहते हैं।

(2) बन्द तथा खुला अल्पाधिकार :- बन्द अल्पाधिकार से तात्पर्य ऐसी अवस्था से है जहाँ उद्योग पर कुछ फर्मों का नियंत्रण होता है और नए प्रतिद्वंद्वियों का प्रवेश प्रायः वर्जित रहता है। इसके विपरित, खुला अल्पाधिकार वह अवस्था है जबकि उद्योग का द्वार नई फर्मों के प्रवेश के लिए खुला होता है।

(3) आंशिक तथा पूर्ण अल्पाधिकार :- आंशिक अल्पाधिकार के अंतर्गत उद्योगों पर एक अथवा कुछ बड़ी फर्मों का अधिकार होता है जबकि पूर्ण अल्पाधिकार में इस तरह की स्थिति नहीं होती है।

(4) संधियुक्त अल्पाधिकार एवं संधिविहीन अल्पाधिकार:- जब उद्योग की फर्मों के बीच कीमत, उत्पादन तथा बाजार विभाजन संबंधी समझौता हो जाता है तथा प्रत्येक फर्म उसी के अनुरूप कार्य करता है, तो इसे संधियुक्त अल्पाधिकार कहते हैं। इसके विपरीत, यदि फर्मों के बीच इस प्रकार के समझौते का अभाव रहता है तो इसे संधिविहीन अल्पाधिकार कहते हैं।

अल्पाधिकार के अंतर्गत कीमत निर्धारण :- अल्पाधिकार के अंतर्गत विभिन्न फर्मों द्वारा विभिन्न रीतियों के माध्यम से कीमत का निर्धारण किया जाता है। वे रीतियाँ निम्नांकित हैं;-

(1) स्वतंत्र कीमत निर्धारण :- स्वतंत्र कीमत निर्धारण का अर्थ है कि अल्पाधिकार उद्योग के अंतर्गत प्रत्येक फर्म अपनी कीमत तथा उत्पादन मात्रा संबंधी नीति दूसरों से स्वतंत्र रूप से निर्धारित करती है। यदि अल्पाधिकारी फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं में किसी प्रकार का अन्तर नहीं है तथा उन फर्मों के मध्य बाजार विभाजन बराबर है तो स्वतंत्र कीमत निर्धारण के फलस्वरूप विभिन्न फर्मों में एक समान कीमत रखने की प्रवृत्ति पायी जाएगी। इसके विपरीत, यदि फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं में किसी प्रकार का अंतर है तो स्वतंत्र कीमत निर्धारण के अंतर्गत प्रत्येक अल्पाधिकारी फर्म की कीमत एकाधिकारी कीमत होगी। अल्पाधिकार में कीमत तथा उत्पादन का निर्धारण प्रायः कठिन हो जाती है, ऐसी स्थिति में निम्नांकित में से कोई एक संभावना बनती है :-

(a) प्रतिस्पर्धी विक्रेताओं में निरंतर कीमत-युद्ध होने के कारण कीमत में पहले से अधिक अस्थिरता आ सकती है।

(b) कीमत किसी अनिश्चित स्तर पर स्थिर हो सकती है।

(c) किसी प्रकार से कीमत का कोई संतोषजनक स्तर स्थापित हो सकता है और अल्पाधिकारी उस स्तर को कठोरता के साथ बनाए रख सकते हैं।

(2) गुटबन्दी के अंतर्गत कीमत निर्धारण :—
स्वतंत्र कीमत निर्धारण नीति के फलस्वरूप कीमत निर्धारण में जो अनिश्चितता का माहौल बनता है उसके परिणामस्वरूप अल्पाधिकारी फर्मों के बीच गुटबन्दी हो जाती है। गुटबन्दी के कारण अल्पाधिकारी फर्मों द्वारा उत्पादक संघ बना दिया जाता है, जो सदस्य फर्मों के लिए कीमत निर्धारण का कार्य करता है।

(3) कीमत नेतृत्व के अंतर्गत कीमत निर्धारण :—
कीमत नेतृत्व के अंतर्गत अल्पाधिकार उद्योग की फर्में उस कीमत पर अपने वस्तुओं को बेचने के लिए तत्पर हो जाती है जो उद्योग के किसी एक सदस्य द्वारा निर्धारित की जाती है। अर्थात् कीमत नेतृत्व के अंतर्गत, एक फर्म जो साधारणतया एक बड़ी फर्म होती है, कीमत निर्धारण करती है तथा अल्पाधिकार उद्योग की अन्य सभी फर्में इसका अनुसरण करती है।